बाबा का दरबार | By Gouttam Sharma

जहां बाबा का दरबार
बच्चों को मिलता प्यार
मां-बाप का हो सत्कार
वह घर कितना सुंदर हो
वह घर कितना सुंदर हो
जहां बाबा का दरबार.....

जहां प्रेम के दरवाजे अभिमान की फर्श बिछाई
श्रद्धा की खोली खिड़की आशा की किरण जगाई
तेरी कृपा की जो छत हो...2
किस बात की दरकार
जहां बाबा का दरबार.....

मैंने मेहनत और पसीने से एक एक ईट लगाई
एक सुंदर से कमरे में बाबा की जगह बनाई
भक्ति का रंग रोगन....2
अब पूरा हुआ घर बार
जहां बाबा का दरबार.....

मेरे घर के इस उपवन में भक्ति का पुष्प खिला दे
मेरे सांसों की माला में तेरी प्रेम का मोती पिरादे
भक्तों संग दूं निवाला...2
बाबा का करे गुणगान
जहां बाबा का दरबार.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-gouttam-sharma/